Daily Gospel Reflections in Hindi

10 September 2019

लूकस 9: 23 – 27

A call to self-denial

येसु को अनुकरण करने पर हर एक ख्रीस्तीयों को कड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। आज के सुसमाचार आत्मिय एवं शारीरिक चुनौतियों को हमारे सामने रखता है। किसी के चेले बनना या, शिष्य होना दो प्रकार के हो सकते हैं। पहले वाले–सही मायने में गुरू के वचनों को पालन करते हैं। सच्चाई के साथ मुसीबतों को झेलकर गुरू के जीवन के जैसे उनका जीवन भी पवित्र रखते हैं। दूसरे प्रकार के चेले–कुछ दिखावट में ही अपने जीवन को आगे बढ़ाते हैं। आज मेरा और आपका येसु को अनुकरण करने का तरीका कैसा है, आज मनन चिंतन करने का एक सवाल है।

येसु मसीह को एक मामूली जीवन नहीं, बल्की कीमत चुकाने वाले चेलों की जरूरत है। शायद यही है, ख्रीस्तीयता की शर्त। जो कुछ हमारे इस अनुगमन में बाधा डालते हैं उन सबको अलग कीजिए। चाहे वह अपनी सम्पति, लाभ, साथी या यश कीर्ति क्यों न हो। यदि येसु रूपी खजाने के लिए खोजना है तो, दुनियादारी खजानों को त्यागना है। हमारे खुद के अहम को भी त्यागना है।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019